

प्रवीण पाठ्यक्रम
PRAVEEN COURSE
किट : 7 / KIT : 7
पाठ : 18 से 20
LESSON: 18 TO 20
फरवरी - किट / FEBRUARY - KIT



केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
पत्राचार पाठ्यक्रम स्कंध (हिंदी)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय
2-ए, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली-110011

Central Hindi Training Institute
CORRESPONDENCE COURSE WING (HINDI)
Department of Official Language
Ministry of Home Affairs
2-A, Prithviraj Road
New Delhi-110011

Email-adptracharchti-dol@nic.in
Phone No. 011-23017203
Fax No. 011-23017203
To download this Kit:
<http://chti.rajbhasha.gov.in/?9600?21>

Lesson/पाठ - 18

इंफाल की यादें

भूमिका Introduction

This is a memoir. In this lesson the writer reminiscences about his years spent in Imphal, the capital of Manipur. He fondly remembers his colleague Shri Lokhan Singh. Through Lokhan Singh he come across the distinct Manipur culture, their way of living, handicrafts, art of weaving clothes on loom, special cuisines and their hospitality. His stay in Manipur has left a long-lasting impression on him.

Through this memoir, we learn about the unique and distinct culture of our North Eastern State Manipur.

उद्देश्य / Objectives

In this lesson we are going to learn about the compound verbs like 'लग', 'चुक'. In addition to this, we will also learn the use of participle 'वाला' and the use of conjunction 'कि'.

1. आजकल लोग योगाभ्यास करने लगे हैं। (have started practicing)
2. मैं आज का काम पूरा कर चुका हूँ।(have completed)
3. वह नई कार लेने वाली है।(is about to buy)
4. अरुण सोया ही था कि बिजली चली गई। (had just gone to sleep when)

After completing the lesson you will be able to:

- (1) Write a memoir.
- (2) Use of compound verbs.
- (3) Use of participle according to the gender and number of the object.
- (4) Use conjunction 'कि' for denoting immediate reaction/response.

Synopsis

Now you are going to study the main body. Main text of the lesson titled "इंफाल की यादें".

We are presenting the first part of the text, in which the narrator has received a letter from his colleague, who is a native of Manipur. The writer was posted in Manipur during 1981-1984. As soon as he received a letter, the picture of Lokhan Singh, his colleague appeared before him. Lokhan Singh's well built physique, his typical manipuri features, his hearty laugh & up right behaviour attracted the writer towards him. With passage of time

their friendship grew stronger. Once, Lokhan Singh invited the writer to his home for lunch.

इंफाल की यादें

आज शाम को दफ्तर से घर पहुँचा ही था कि पत्नी ने एक पत्र पकड़ा दिया। आज के मोबाइल, फैंक्स और ई-मेल के युग में "पत्र" का आना किसी आश्चर्य से कम नहीं था। आजकल तो शुभकामना¹ के पत्र भेजना भी लोग भूल चुके हैं। नए साल, होली, दीवाली, पोंगल आदि के शुभकामना संदेश² टेलीफोन व ई-मेल के द्वारा भेजे जाने लगे हैं।

पत्र हाथ में लिया ही था कि मेरी नजर इंफाल के डाकखाने की मुहर³ पर पड़ी। उसे देखकर वर्ष 1981 से 1984 के दौरान इंफाल में बिताए दिन चलचित्र⁴ की भाँति मेरी आँखों के सामने घूमने⁵ लगे। ऐसा लगा कि 21 साल पहले का लोखन सिंह मेरे सामने आकर खड़ा हो गया है।

मणिपुर स्थित जनगणना परिचालन निदेशालय⁶ में अनुवादक⁷ के पद पर मेरी पहली नौकरी लगी थी। लगभग मेरे साथ-साथ लोखन सिंह की भी नियुक्ति⁸ अवर श्रेणी लिपिक⁹ के पद पर हुई थी। लोखन का घर इंफाल से लगभग 26 कि.मी. दूर बिशनपुर में था। सामान्य सा चेहरा, खालिस मणिपुरी नैन नक्श¹⁰, मजबूत शरीर वाला लोखन सिंह सामान्य मैतेयी¹¹ से कुछ अलग ही लगता था। उसकी उन्मुक्त¹² हँसी एवं निश्चल व्यवहार¹³ से मैं उसकी ओर खिंचने लगा था और हमारी दोस्ती धीरे-धीरे गहरी होने लगी थी। हम दोनों घंटों बैठकर विभिन्न विषयों पर चर्चा करते। हालाँकि मैतेई बड़े अंतर्मुखी¹⁴ स्वभाव के होते हैं। मयांग(परदेशी)¹⁵ से वे घुलना-मिलना पसंद नहीं करते, फिर भी वे अतिथि¹⁶ का बहुत सम्मान करते हैं। उनके लिए किसी को अपने घर बुलाना संभवतः उसका सबसे बड़ा सम्मान होता है। एक दिन लोखन सिंह ने मुझे अपने घर खाने पर बुलाया। निमंत्रण¹⁷ पाकर मैं बहुत प्रसन्न हुआ।

अगले दिन सुबह मैं बस अड्डे¹⁸ पहुँचा। वहाँ चूड़ाचाँदपुर जाने वाली बस लग चुकी थी। यह बस बिशनपुर होकर जाने वाली थी। बिशनपुर पहुँचने में लगभग एक घंटे का समय लगता है। मैं बस में बैठे-बैठे उसके घर के बारे में सोचने लगा कि मेरी आँख लग गई¹⁹। बस से उतरते ही लोखन सिंह हाथ हिलाकर मुझे बुलाने लगा। हम दोनों घर पहुँचे ही थे कि उसके पिताजी घर के बाहर आ गए। लोखन उनसे मेरा परिचय कराने लगा। मैंने खुरमजरी(नमस्कार) कहकर उनका अभिवादन²⁰ किया।

शब्दार्थ Vocabulary:

1. best wishes/greetings 2. message 3. stamp 4. film 5. old memories comes a live 6. directorate of census operations 7. translator 8. appointment 9. lower division clerk 10. features 11. a tribal group of Manipur 12. hearty laugh 13. up right behaviour 14. introvert 15. foreigner 16. guest 17. invitation 18. bus stop 19. to fell asleep 20. to greet

बोध प्रश्न

- 1 लेखक के पास कहाँ से और किसका पत्र आया था?
- 2 लेखक इंफाल में कब से कब तक रहे?
- 3 लोखन सिंह के स्वभाव की किन विशेषताओं से लेखक प्रभावित हुआ?
- 4 लोखन सिंह के पिता का किन शब्दों से लेखक ने अभिवादन किया?

Here we present the second part of the text, in which the narrator describes his visit to Lokhan Singh's house. Here he enjoys the warm hospitality of his host. He gets the glimpse of distinct culture of Manipur, tastes the special cuisines and also receives the beautiful pieces of handicrafts like Manipur shawl & bamboo object as a gift.

In the previous section we saw the use of 'लग' verb. In this section we will study the use of 'चुक' as a compound verb.

भाग-2

उसके पिताजी शिक्षक²¹ के पद से सेवानिवृत्त²² हो चुके थे। उसकी बहन ने पढ़ाई पूरी कर ली थी और उसकी नौकरी लग चुकी थी।

खपरैल²³ से बना उनका घर, विशिष्ट²⁴ मणिपुरी संस्कृति²⁵ की झलक दे रहा था। घर के पीछे का पोखर²⁶ कमल के फूलों से भरा हुआ था। बाँस के फर्नीचर से सुसज्जित²⁷ बैठक²⁸ में मेज पर भोजन लग चुका था। खाने में कई प्रकार की चटनियाँ थीं, उनमें इरोम्बा बहुत स्वादिष्ट²⁹ थी। पपीते व केले की सब्जी तो मैं पहले भी खा चुका था पर बंबू³⁰ (बाँस) की सब्जी व बाँस का अचार³¹ मैंने पहली बार खाया था। खाना बहुत स्वादिष्ट था। खाने के बाद हम बातें करने लगे शाम हो चुकी थी, सूरज ढलने³² लगा था। मैं वापस लौटने ही वाला था, तभी उसके पिताजी ने अपने हाथ से बनाई बंबू की टोकरी³³ और उसकी बहन ने मणिपुरी शॉल व चादर मुझे उपहार³⁴ में दी। प्रेम के प्रतीक यह उपहार आज भी मेरे लिए बेहद कीमती हैं। वापसी में उन्होंने मुझसे लोखटक झील³⁵ चलने का कहा। चूँकि वह स्थान मेरा पहले ही देखा हुआ था, इसलिए मैं वहाँ नहीं गया।

उन दिनों कार्यालय सप्ताह में छह दिन लगता था। कार्यालय समय भी प्रातः 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक था। प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को छुट्टी होती थी। छुट्टी के दिन आस-पास घूमना बहुत अच्छा लगता था। इंफाल में भी बहुमंजिली³⁶ इमारतें³⁷, कार्यालयीन परिसर³⁸ आदि बनाए जाने लगे थे। कुछ इमारतें बन चुकी थीं और कुछ बन रही थीं। पाओना बाजार के पास बी. टी. रोड पर क्रीड़ा परिसर³⁹ का निर्माण होने लगा था।

पत्र में उसने मुझे सपरिवार इंफाल में आने के लिए आमंत्रित किया था। पत्र को पढ़ते ही लोखन सिंह से मिलने की इच्छा प्रबल⁴⁰ होने लगी। मैं परिवार सहित इंफाल जाने का कार्यक्रम बनाने लगा।

शब्दार्थ Vocabulary:

21. teacher 22. retire 23. mud tiles 24. special 25. culture 26. small pond
27. well decorated 28. drawing room 29. tasty 30. bamboo 31. pickle 32. sun
was setting 33. basket 34. present/gift 35. lake 36. multi storey 37. building
38. office complex 39. sport complex 40. strong desire

बोध प्रश्न

- 1 लोखन सिंह कहाँ रहता था?
- 2 लोखन सिंह की घर की विशेषताएँ बताएँ।
- 3 मणिपुर के खाद्य व्यंजन तथा हस्तकला का वर्णन करें।
- 4 इंफाल शहर का वर्णन करें।

सांस्कृतिक टिप्पणी Cultural Notes :

In Manipur the Bamboo furniture, artifacts and utensils are very popular. Manipuri not only make furniture from bamboo but they also prepare some bamboo delicacies like bamboo chutney, jam, pickles etc. the weaving of cloth on loom is a cottage industry of this state. The girls themselves weave their own clothes, bedsheets, woolen shawls at home.

Grammatical Notes

पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

आश्चर्य	=	अचंभा	व्यवहार	=	आचरण
नजर	=	दृष्टि	दोस्ती	=	मित्रता
उन्मुक्त	=	स्वच्छंद	उपहार	=	भेंट
निमंत्रण	=	आमंत्रण	अतिथि	=	मेहमान

विलोम शब्द (Antonyms)

भूलना	x	याद करना	गहरा	x	उथला
सामान्य	x	विशेष	सम्मान	x	अपमान
देशी	x	परदेशी	उदय	x	अस्त

Syntactic Structures:

1. 'लग' and 'चुक' are both compound verbs. The 'लगना' verb expresses the commencement of an action where as 'चुकना' verb expresses completion of an action e.g.

आजकल लोग मॉल से खरीदारी करने लगे हैं।

Now-a days people have started shopping from the malls.

बस लग चुकी थी।

Bus was ready to start.

मैं दिया गया काम पहले ही पूरा कर चुका हूँ।

I have already completed the work assigned to me.

'लग' has different shades of meaning in different context. A few important usages are given below:

1. 'लग' denotes 'engagement' or 'employment' -

गृह मंत्रालय में उसकी नौकरी लग चुकी थी।

He got employment in the Ministry of Home Affairs.

2. 'लग' also denotes requirement of time & money.

इस मकान को बनाने में 8 माह लगेंगे।

It will take 8 months to complete the construction of this house.

इस मकान को बनाने में मेरे 4 लाख रुपए लगे।

I had spent Rs. 4 lakh to construct this house.

3. You will come across some idiomatic use of 'लग'

मेरी आंख लग गई। I fell asleep.

मेरा मन काम में लग गया।

I got interest in the work.

उसे लू लग गई।

He had heat stroke.

बच्चों को अक्सर जल्दी नजर लगती है।

Evil eye is cast upon children frequently.

प्रगति मैदान में नुमाइश लगी है।

An exhibition is being held in Pragati Maidan.

एक अच्छा अवसर उसके हाथ लगा है।

He has got a good opportunity.

आज कपड़ा मिल में ताला लग गया।

Today there was a lock out in the cloth mill.

मुझे उसकी बात दिल में लग गई।

I felt hurt by his statement.

Conjunction 'लग' is used for denoting immediate reaction/response.

1. मैं घर से निकला ही था कि बारिश होने लगी।

As soon as I left my home, then it started raining.

2. 'कि' is also used in the sense of 'that'
उसने कहा था कि वह आज कार्यालय नहीं आएगा।
He said that he will not come to office today.
3. हाथ में लिया था कि ' can also be expressed
पत्र हाथ में लेते ही' - As soon as I got the letter
बाहर निकले ही थे कि बारिश होने लगी।
As soon as we came out, it started raining.

The 'वाला' phrase has different shades of meaning with the change of its position in a sentence. This will be clear from the following sets of sentences.

- 1 Noun + वाला
 1. अखबार वाला बिल लेकर आया। (The paper vendor)
 2. दूधवाले से तीन लीटर दूध ले लेना। (milk maid)
- 2 Adverb + वाला
 1. ऊपर वाला कमरा बड़ा है। (The room on the upper floor)
 2. वह पीछे वाली सीट पर बैठी थी। (The back seat)
- 3 Verbal Noun + वाला
 1. मुंबई जानेवाली गाड़ी किस प्लेटफॉर्म से छूटती है। (Bombay bound)
 2. लेख लिखने वालों को कितना पैसा दिया जाएगा? (those writing articles)
- 4 Infinitive Verb + वाला
 1. अगले सोमवार से परीक्षाएँ होने वाली हैं। (going to take place)
 2. कल से संसद सत्र शुरू होने वाला है। (going to start)
- 5 Infinitive + वाला (emphatic)
 1. जल्दी टिकट लीजिए, गाड़ी आने ही वाली है। (about to arrive)
 2. जल्दी जाइए बैंक बंद होने ही वाला है। (about to close)
 3. बच्चा गिरने ही वाला था कि मैंने उसे पकड़ लिया। (about to fall)

मौखिक अभ्यास

Oral practice helps you to retain what you have learnt and allows you to speak the language in appropriate situations:

Practice the following

Substitution Exercise/ स्थानापत्ति Substitution

1. राजधानी ट्रेन एक नंबर प्लेटफार्म से छूटने वाली है ।
(जाना, चलना, रवाना होना, निकलना)
2. अध्यापक के आते ही विद्यार्थी खड़े हो गए ।
(पहुँचते, प्रवेश करते, उठते, देखते, जाते)
3. सब्जीवाला रोज सुबह आता है ।
(फलवाला, दूधवाला, अखबारवाला)
4. बारिश रुकते ही लोग घर जाने लगे ।
(टहलना, घूमना, चलना)

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास/ Double Substitution

1. उसके माथे पर तिलक लगा है ।

दुकान	बोर्ड
खिड़की	काँच
पेड़	आम
किताब	निशान
चोट	दवा
2. कार्यालय में नई नियुक्तियाँ हो चुकी हैं ।

बैठक में	इस प्रस्ताव पर चर्चा होना
समारोह में	अतिथि आना
नए सत्र में	प्रशिक्षार्थी प्रविष्ट होना
उद्यान में	वृक्षारोपण होना
विश्वविद्यालय में	नए विषय आरंभ होना

रूपांतरण /Transformation

नमूना: एशियाड खेलों के आयोजन में करोड़ों रुपए खर्च हुए ।

एशियाड खेलों के आयोजन में करोड़ों रुपए लगे।

1. कुतुबमीनार का निर्माण कई वर्षों में हुआ।
2. कॉमन वेल्थ खेलों में बहुत पैसा खर्च हुआ।
3. इस पाठ्यक्रम का निर्माण दो वर्ष में हुआ।
4. ताजमहल का निर्माण 22 वर्षों में हुआ।
5. मेट्रो के निर्माण में काफी पैसा खर्च हुआ होगा।

नमूना: वे शादी की सारी तैयारी कर चुके हैं।

शादी की सारी तैयारी की जा चुकी है।

1. हम गोवा जाने के लिए रेल में आरक्षण करवा चुके हैं।
2. आवती लिपिक केंद्रीय रजिस्ट्री से सारे पत्र भेज चुका होगा।
3. प्राध्यापक परीक्षा से पहले पाठ्यक्रम पूरा पढ़ा चुके हैं।
4. स्टोर कीपर कार्यालय के लिए लेखन सामग्री खरीद चुका है।
5. हम अधीनस्थ कार्यालयों से सूचनाएँ मँगवा चुके हैं।

उदाहरण के अनुसार विलोम शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए।

Change the sentences using appropriate antonyms:

उदाहरण: आजकल मुझे कई बातें याद नहीं रहतीं क्योंकि मैं बहुत जल्दी जाता हूँ।

आजकल मुझे कई बातें याद नहीं रहतीं क्योंकि मैं बहुत जल्दी भूल जाता हूँ।

1. महात्मा गांधी की गिनती सामान्य व्यक्तियों में नहींमें होती है।
2. परीक्षा में हमेशा कठिन प्रश्न ही नहीं कभी-कभी भी पूछ जाते हैं।
3. घी सर्दियों में जम जाता है और गर्मियों में जाता है।
4. विदेश में रहने पर के प्रति प्रेम बढ़ जाता है।
5. सूर्य पूर्व में उदय और पश्चिम में होता है।

नमूना: शीतकालीन संसद सत्र प्रारंभ हो रहा है ।

शीतकालीन संसद सत्र प्रारंभ होने वाला है।

1. चुनाव के कारण बोर्ड की परीक्षाएँ फरवरी में शुरू हो रही हैं ।
2. इस माह गोवा में अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह शुरू हो रहा है ।
3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक की तैयारी शुरू हो रही है ।
4. विश्व हिंदी सम्मेलन इस वर्ष न्यूयार्क में हो रहा है ।
5. पत्राचार पाठ्यक्रम का नया सत्र जुलाई से आरंभ हो रहा है ।

नमूने के अनुसार बदलें/ Transform as per model.

नमूना: बस आ गई?

नहीं, बस आने ही वाली है।

1. वे लोग जा चुके हैं?
2. तुम्हें तनख्वाह मिल गई?
3. परीक्षा परिणाम निकल गया?
4. उसने खाना खा लिया?
5. आपने बिजली का बिल भर दिया?

संवाद/Communication

Two friends are meeting after a long time. One is from a village, the other one is from a town. Discuss changes that have come in the using expressions like स्कूल-कालेज बन चुके हैं, लोग ट्रैक्टर का उपयोग करने लगे हैं, लोग नई बातें सीख चुके हैं etc.

सारांश/ Summary

यह पाठ एक संस्मरण है। इसमें लेखक वर्ष 1981 से 1984 तक मणिपुर स्थित जनगणना कार्यालय में तैनात रहा। इस दौरान उसकी मित्रता कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद पर तैनात लोखन सिंह से हुई। लोखन सिंह मणिपुरी था। लोखन सिंह के हँसमुख तथा निश्चल व्यवहार से लेखक प्रभावित था और दोनों में गहरी दोस्ती हो गई।

जब लेखक को कई वर्षों बाद लोखन सिंह का पत्र मिला तो उसे देखकर उसे मणिपुर में बिताए दिन याद आ गए तथा लोखन सिंह का चिर परिचित चेहरा उसकी आँखों के सामने आ गया। लोखन सिंह का खाने पर घर बुलाना, उसके परिवार वालों द्वारा लेखक का स्वागत करना, खाने में मणिपुरी मिष्ठानों का परोसना, घर में मणिपुरी संस्कृति की झलक तथा उपहार के रूप में बाँस से बनी टोकरी, मणिपुरी शाल व चादर पाकर लेखक अभिभूत हो गया। लोखन सिंह का निमंत्रण पाकर लेखक परिवार सहित मणिपुर जाने का कार्यक्रम बनाने लगा।

इस पाठ में हमने व्याकरणिक बिंदुओं जैसे- संयुक्त क्रियाएँ 'लगना' तथा 'चुकना' का प्रयोग सीखा तथा इसी के साथ हमने 'वाला' कृदंत एवं तात्कालिक प्रतिक्रिया को व्यक्त करने हेतु योजक 'कि' का प्रयोग भी सीखा।

क्रियात्मक कौशल/Creative Writing

You can write ten sentences on your home state, the culture, the way of living, the handicrafts & the cuisines etc.

बोध प्रश्नों के उत्तर भाग- 1

- 1 इंफाल से, लोखन सिंह का।
- 2 वर्ष 1981 से 1984 तक।
- 3 लोखन सिंह की उन्मुक्त हँसी और निश्चल व्यवहार से।
- 4 खुरमजरी कहकर।

बोध प्रश्नों के उत्तर भाग- 2

- 1 इंफाल से लगभग 26 कि.मी. दूर बिशनपुर में।
- 2 खपरैल से बना हुआ था।
- 3 इरोम्बा चटनी, पपीते और केले की सब्जी, बंबू की सब्जी एवं आचार।
बंबू से फर्नीचर एवं तरह-तरह की टोकरियाँ, चरखे पर बुने कपड़े एवं शॉलें।
- 4 बहुमंजिलें इमारतें, कार्यालयीन परिसर, क्रीड़ा परिसर।

पाठ/Lesson 19

समापन समारोह

भूमिका/ Introduction

This is a conversation between two friends, Mr. Ramesh & Mr. Dinesh. After a Hindi fortnight, a closing ceremony was organised in Dinesh's office. During Hindi fortnight all the central government offices organise debates, essay writing, poetry recitation, noting and drafting competitions for the employees to encourage them to do their official work in Hindi. The successful employees are given prizes at the closing ceremony.

Though Ramesh was invited to this programme but he could not make it as he was suffering from viral fever. However he watched some highlights of the programme on television. Dinesh is describing some of the cultural events which were the main attraction of this ceremony.

You have already learnt the use of conditional sentence अगर तो/यदि..... तो (if.... then). In this lesson we are going to use this pattern for talking about events the past.

नमूना : अगर वह आता Had he come

(Which means he didn't come)

अगर वह न कहती Had she not told

(Which means she did tell)

Please note this construction does not have the auxiliary verb 'है' so अगर आप बुलाते थे तो मैं आती थी is a wrong sentence.

Through this dialogue between two friends, you will learn how to converse in Hindi.

उद्देश्य /Objectives

In this lesson we are going to learn conditional past tense, through 'अगर तो' sentence pattern.

After completing the lesson you will be able to

1. Read & write अगर..... तो sentence pattern.
2. Learn the use of prepositional phrase 'के कारण'।
3. You will be able to write a detailed report of the programme organised in your office.

Synopsis

It is a conversation between the two friends Ramesh & Dinesh. After the Hindi fortnight, the closing ceremony was organised at Dinesh's office. Ramesh was an invitee to the programme but due to viral fever he could not make it. Dinesh is apprising him of the highlights of this programme. Ramesh has already seen some of the highlights of this programme on television.

Here we present the first part of the text.

समापन समारोह

- रमेश : बधाई, सुना है इस बार हिंदी पखवाड़े¹ के समापन समारोह² का आयोजन बहुत ही अच्छा रहा।
- दिनेश : हाँ, सभी लोगों के सतत³ सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा। इस बार लोग भी अधिक संख्या में उपस्थित थे। पूरा हॉल खचाखच भरा हुआ⁴ था। हाँ, यह बताओ कि तुम समारोह में क्यों नहीं आए? क्या निमंत्रण पत्र समय पर नहीं मिला?
- रमेश : इस बार निमंत्रण पत्र तो काफी पहले मिल गया था लेकिन वायरल होने के कारण मैं चाह कर भी नहीं आ पाया। बीमारी में कैसे आता।
- दिनेश : काश, तुम आ जाते क्योंकि इस बार कार्यक्रम बहुत अच्छा था। हर कार्यक्रम निदेशक महोदया के निदेशन में हुआ। मैं सोचता हूँ अगर वे व्यक्तिगत रुचि⁵ न लेतीं तो शायद कार्यक्रम इतना सफल न होता।
- रमेश : अस्वस्थता⁶ के बावजूद भी मैंने तुम्हारे कार्यक्रम का कुछ अंश दूरदर्शन पर देखा है भई! सांस्कृतिक⁷ कार्यक्रम तो काफी रंगारंग⁸ लग रहा था।
- दिनेश : हाँ, मैं सोचता हूँ कि इस बार समारोह का मुख्य आर्कषण रहा- उसका सांस्कृतिक कार्यक्रम। गीत एवं नाटक प्रभाग⁹ के कलाकारों की प्रस्तुति¹⁰ ने तो कार्यक्रम में चार चाँद लगा¹¹ दिए। मणिपुरी रास¹² की छटा¹³ देखते ही बनती थी।
- रमेश : गरबा नृत्य¹⁴ ने भी गुजरात की संस्कृति की जीवंत झलक¹⁵ प्रस्तुत की और हिंदी गीत से कार्यक्रम की सार्थकता¹⁶ सिद्ध¹⁷ हो गई।

शब्दावली/Vocabulary :

1. fortnight
2. closing ceremony
3. continuous
4. jam packed
5. personal interest
6. illness
7. cultural programme
8. entertaining
9. song and drama division
10. presentation
11. to have a feather added to one's cap
12. folk dance of Manipur state
13. beauty
14. folk dance of Gujrat
15. lively
16. significance
17. proved.

बोध प्रश्न

1. इस बार हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह कैसा रहा?
2. समारोह की सफलता का क्या कारण था?
3. रमेश इस समारोह में क्यों नहीं गया?
4. समारोह का मुख्य आकर्षण क्या था?

सांस्कृतिक टिप्पणी / Cultural Notes

मणिपुरी रास : In this dance form the different aspects of shri krishna's life are depicted through Manipuri dance.

भाग - 2

In this part of the text in which Ramesh is informing Dinesh that the report of closing ceremony is published in the various newspapers. He is also elaborating about the comparing prize distribution, Director's detailed presentation of department's achievements, the chief guest's speech emphasizing the increasing importance of Hindi as a world language, encouraging the audience to do every possible effort for the development and propagation of Hindi.

Here we present the second part of the text.

- दिनेश: क्या तुमने **अखबारों**¹⁸ में हमारे कार्यक्रम के बारे में **प्रतिक्रिया**¹⁹ देखी?
- रमेश: हाँ, इस बार दो तीन अखबारों ने कार्यक्रम की **विस्तृत**²⁰ रिपोर्ट दी। अगर इसमें कुछ फोटो भी **प्रकाशित**²¹ होते तो अच्छा रहता।
- दिनेश: लगता है कि तुमने 'जन जागरण' नहीं देखा। उसमें तो फोटो भी छापे गए थे।
- रमेश: नहीं, मैं कहाँ से देखता। मेरे घर तो यह अखबार आता ही नहीं। कार्यक्रम में **उद्घोषक**²² का **मंच संचालन**²³ कैसा रहा?
- दिनेश : मंच संचालन अच्छा था लेकिन **पुरस्कार**²⁴ **विजेता**²⁵ अधिक हो गए क्योंकि दो **प्रतियोगिताएँ**²⁶ इस बार अधिक करवाई गई थीं।
- रमेश : तब तो **पुरस्कार वितरण**²⁷ में काफी समय लग गया होगा?
- दिनेश : हाँ, इस कारण निदेशक महोदया द्वारा कार्यालय की **उपलब्धियों**²⁸ के **विवरण**²⁹ के **प्रस्तुतीकरण**³⁰ में **समय का अभाव**³¹ कुछ **खटक**³² रहा था। अगर अधिक समय मिलता तो ज्यादा अच्छा रहता।
- रमेश : मैं सोचता हूँ कि अगर कार्यक्रम में **उपस्थित**³³ रहता तो **विशिष्ट अतिथि**³⁴ का पूरा **भाषण**³⁵ सुन पाता। इस बार अखबारों में उनके भाषण की काफी **प्रशंसा हुई**³⁶ है।
- दिनेश : हाँ, विशिष्ट अतिथि ने **विश्व**³⁷ में हिंदी के बढ़ते महत्व पर चर्चा कर उसकी **विशिष्टता**³⁸ सिद्ध की। उन्होंने कहा कि हिंदी विश्व की एक **महत्वपूर्ण**³⁹ भाषा है। हिंदी को बोलने और समझने वाले लोग विश्व में हर जगह **मौजूद**⁴⁰ हैं। विश्व भाषा

के रूप में हिंदी के विकास⁴¹, प्रचार⁴² तथा प्रसार⁴³ के लिए हमें हर संभव प्रयास⁴⁴ करना होगा। उनके वक्तव्य⁴⁵ की सभी श्रोताओं⁴⁶ ने करतल ध्वनि⁴⁷ से सराहना⁴⁸ की। अंत में जलपान⁴⁹ के साथ ही समारोह⁵⁰ सफलतापूर्वक⁵¹ संपन्न⁵² हुआ।

शब्दावली/Vocabulary :

18 newspapers 19. comments 20. detailed 21. publish 22. announcer 23. compere 24. prize 25. winner 26. competitions 27 prize distribution 28. achievements 29. details 30. presentation 31. shortage of time 32. to pinch 33. present 34. special guest 35. speech 36. praise 37. world 38. speciality 39. important 40. present 41. development 42 publicity 43. propogation 44. effort 45. statement/comment 46. listner/audience 47. clapping 48. praise 49. nacks 50. function 51. successfully 52. conclude

बोध प्रश्न

1. समापन समारोह की विस्तृत रिपोर्ट कहाँ छपी थी? इस समारोह के फोटो किस अखबार में छपे थे?
2. पुरस्कार वितरण में अधिक समय लगने का क्या कारण था?
3. कार्यालय की उपलब्धियों का विवरण किसने प्रस्तुत किया?
4. विशिष्ट अतिथि ने अपने भाषण में हिंदी की विशिष्टता को किन शब्दों में सिद्ध किया?

सांस्कृतिक टिप्पणी : (Cultural Notes)

गरबा नृत्य: is a famous dance of Gujarat that is performed in a group.

Grammatical Notes

पर्यायवाची शब्द

उपस्थित	=	मौजूद	सार्थकता	=	उपयोगिता
बीमारी	=	अस्वस्थता	पुरस्कार	=	इनाम
रंगारंग	=	मनोरंजक	अतिथि	=	मेहमान
विकास	=	उन्नति			

विलोम शब्द

समापन	x	उद्घाटन	रुचि	x	अरुचि
सहयोग	x	असहयोग	आकर्षण	x	विकर्षण
उपस्थित	x	अनुपस्थित	विस्तृत	x	संक्षिप्त
स्वस्थ	x	अस्वस्थ	श्रोता	x	वक्ता

Sentence patterns

क. हेतु हेतुमद भूत (contingent past) Conditional Past

i) अगर वह मेहनत करता तो पास हो जाता।

Had he worked hard he would have passed.

ii) अगर मैं दफ्तर जाता तो काम पूरा हो जाता।

I had gone to office the work would have been completed.

iii) अगर वह मिलता हो उससे मिठाई खाते।

Had we met him, we would have asked for sweets.

The word 'अगर' can be substituted by 'यदि' without changing the import i.e. 'अगर और यदि' are synonyms in Hindi.

In sentence (i) & (ii) the verbs in the 'अगर' clause & 'तो' clause are in the present participle form (करता, जाता) but they denote past actions.

ख. क्या ही अच्छा होता अगर फिल्म की टिकट मिल जाती।

How nice it would have been if tickets have been available.

The words 'क्या ही अच्छा होता' and 'अगर' can also be substituted by 'काश' 'काश फिल्म की टिकट मिल जाती।

काश तुम आ जाते।

ग. के कारण = on account of due to

के कारण = see the use of prepositional phrase

बीमारी के कारण वह कार्यालय नहीं आ सका।

मौखिक अभ्यास/ Oral Practice

Oral practice helps you to retain what you have learnt and allows you to speak the language in appropriate situations. Practice the following:

स्थानापत्ति/ Substitution

1. बैठक कार्यदिवस में होती तो सभी सदस्य आते।
(सम्मेलन, मैच, प्रतियोगिता, चुनाव)
2. आयोजन छोटे हॉल में होता तो अच्छा रहता।
(समिति कक्ष, खुले मैदान, सम्मेलन कक्ष, बड़े हॉल)
3. वक्ता संगोष्ठी में निर्धारित समय तक बोलते तो अच्छा रहता।
(सीमित समय, कम समय, दिए गए समय)
4. संगोष्ठी के बारे में अखबार में चर्चा कम हुई।
(टी.वी., रेडियो, पत्रिका, आपस में)
5. आपने कहा होता तो वे आते।
(बुलाना, निमंत्रण देना, पत्र भेजना, फोन करना)

रूपांतरण अभ्यास Transformation Practice

नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए ।

नमूना:- मैंने तैयारी नहीं की और पास नहीं हुआ।

मैं तैयारी करता तो पास हो जाता।

1. छुट्टी नहीं मिली और मैं तुम्हारे घर नहीं आया।

2. ऋण नहीं मिला और उन्होंने मकान नहीं बनवाया।
3. सूचना नहीं मिली, उसने खबर नहीं भेजी।
4. यात्रा भत्ता नहीं मिला, आप कोलकाता नहीं आए।
5. फाइल नहीं आई और मैंने आपके संबंध में बात नहीं की।

नमूना:-तुम नहीं जाओगे। राम नहीं आएगा।

तुम्हारे न जाने से राम नहीं आएगा।

1. निमंत्रण नहीं मिलेगा। सरोज नहीं जाएगी।
2. अनुमति नहीं मिलेगी। तुमको ऋण नहीं मिलेगा।
3. आरक्षण नहीं मिलेगा। मैं दौरे पर नहीं जाऊँगा।
4. आपसी संबंध बढ़ेगा। सद्भावना मजबूत होगी।
5. रेलों की संख्या बढ़ेगी। यात्रा सुखद होगी।

कोष्ठक में दिए गए संकेतों के आधार पर उत्तर दीजिए।

नमूना: आप अधिकारी से क्यों नहीं मिले? (समय न मिलना)

समय न मिलने के कारण मैं अधिकारी से नहीं मिला।

1. आपका मकान क्यों नहीं बना? (ऋण न मिलना)
2. आप इस वर्ष परीक्षा में क्यों नहीं बैठे? (अनुमति न मिलना)
3. आपको रुपयों की जरूरत क्यों पड़ेगी? (माँ का इलाज)
4. आप निदेशक से क्यों नहीं मिलीं? (निदेशक का दौरे पर जाना)
5. दफ्तर में नई नियुक्तियाँ क्यों नहीं हुई? (वित्त मंत्रालय का अनुमोदन न मिलना)

रूपांतरण /Transformation

उदाहरण : मैं स्कूटर का भाड़ा कैसे देता? (खुले पैसे)

अगर खुले पैसे होते तो देता।

1. वह पहचान-पत्र कैसे बनवाता? (फोटो)
2. बच्चे अध्ययन कैसे करते? (पुस्तक)
3. टंकक मसौदा टंकित कैसे करता? (कंप्यूटर)
4. माताजी खाना कैसे बनाती? (सब्जी)
5. ऋतु दौरे पर कैसे जाती? (अनुमति)

Make the past contingent form of the sentence in the given situations:

नमूना : मैंने नहीं बुलाया। वह नहीं आया।

मैं बुलाता तो वह आ जाता।

1. आपने नहीं कहा। मैं नहीं गया/गई।
2. तुमने कहा। इसीलिए मैं चली गयी।
3. चिट्ठी नहीं मिली। मैं चला गया।
4. उसने पढ़ा नहीं। वह पास नहीं हुई।
5. तुमने नहीं मांगा। मैंने नहीं दिए।

संवाद / Communication

Imagine what you would do if you were the Prime Minister or the President of India. Discuss with fellow learners or neighbours.

सारांश/ Summary

इस पाठ में रमेश और दिनेश दो मित्रों के बीच वार्तालाप (conversation) हो रहा है। दिनेश के कार्यालय में हिंदी पखवाड़े के पश्चात उसका समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें रमेश को भी निमंत्रित किया गया था। रमेश वायरल बुखार के कारण समारोह में नहीं आ सका। रमेश ने कुछ अंश दूरदर्शन पर देखे। उसे सांस्कृतिक कार्यक्रम काफी मनोरंजक लगा। दिनेश ने बताया कि इस कार्यक्रम में गीत एवं नाट्य प्रभाग के कलाकारों की प्रस्तुति ने चार चाँद लगा दिए। कई समाचार-पत्रों में समारोह की खबर तथा फोटो छपे। समारोह में प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। निदेशक महोदय ने विभाग की उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि ने विश्व में हिंदी की बढ़ती महत्ता पर प्रकाश डाला। जलपान के पश्चात समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

क्रियात्मक कौशल/Creative Writing

- i) You can write 10 sentences as a conversation between two persons regarding a function organised in your office or talk about it with friends.
- ii) You can write a detailed report of a annual day programme organised in your office.

बोध प्रश्नों के उत्तर भाग-1

- 1 बहुत अच्छा।
- 2 निदेशक महोदय द्वारा कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूचि।
- 3 वायरल बुखार के कारण।
- 4 समारोह का सांस्कृतिक कार्यक्रम

बोध प्रश्नों के उत्तर भाग-2

- 1 अखबारों में 'जन जागरण' में।
- 2 पुरस्कार विजेताओं की संख्या अधिक होने के कारण।
- 3 निदेशक महोदय ने।
- 4 विश्व में हिंदी के बढ़ते महत्व पर चर्चा कर।

पाठ / Lesson 20

परीक्षा

भूमिका Introduction

'Pariksha' is a story by famous Hindi writer Munshi Premchand. In this story the central character Sardar Sujan Singh is a Minister of a small province Devgarh. One day he requests the king that he wishes to retire as he is getting old. King reluctantly agrees to his request on one condition that Sujan Singh should find a suitable successor. In this story we will find out how Sujan Singh finds a new Minister having human virtues like compassion, strong will power and enormous courage.

उद्देश्य / Objectives

The message or moral of this story is that for a good administrator the virtues like compassion towards fellow being, strong will power & enormous courage is more important than the bookish knowledge. A person with firm resolution will never leave the path of mercy, generosity and religion even if he is deceived by others.

In this lesson you will learn the following things:

1. The use of subjunctive form of verb. Subjunctive verb is used to express suggestion, command, permission, condition & wish.

After completing the lesson you will be able to do the following things:

2. You will be able to write & read the subjunctive sentences expressing suggestion, command, permission, condition etc.
3. You will be able to learn the use of present participle form of the verb.

The subjunctive verb takes following forms

मैं	जाऊँ	हम	जाएँ
तुम	जाओ	श्री स्वामीनाथन	जाएँ
वह	जाए	श्रीमती लक्ष्मी	जाएँ
वे	जाएँ	रमा अय्यर	जाए
आप	जाएँ		

Synopsis

Here below we present the first part of the text in which Sardar Sujan Singh the Minister of a small province, Devgarh, request his king that as he is getting old, he wish to retire. The king agrees to his request on one

condition that Sujan Singh should find his own successor. In response to the advertisement, hundreds of candidates applied for the post of minister. In the advertisement it was specifically mentioned that instead of education, more emphasis will be given to human virtues. Every candidate was putting up the best of his behaviour. Sardar Sujan Singh was keenly observing who the grain among the chaff is. Let us find how he selects the candidate most appropriate for the Ministerial post.

परीक्षा

जब **रियासत**¹ देवगढ़ के **दीवान**² सरदार सुजानसिंह बूढ़े हुए तो जाकर महाराज से **विनय**³ की "दीनबंधु"⁴, दास ने श्रीमान की सेवा चालीस साल तक की। अब मेरी **अवस्था ढल**⁵ गई है, **राजकाज**⁶ सँभालने की शक्ति नहीं रही। कहीं **भूल-चूक**⁷ हो जाए तो बुढ़ापे में दाग लगे। "

राजा साहब अपने **नीतिकुशल**⁸ दीवान का बड़ा आदर करते थे। उन्होंने दीवान साहब को बहुत समझाया, लेकिन जब दीवान साहब न माने तो हारकर उनकी **प्रार्थना**⁹ स्वीकार कर ली, पर शर्त यह लगा दी कि रियासत के लिए नया दीवान आप ही को खोजना पड़ेगा।

दूसरे दिन देश के **प्रसिद्ध**¹⁰ समाचार पत्रों में यह **विज्ञापन**¹¹ निकाला गया कि देवगढ़ के लिए एक **सुयोग्य**¹² दीवान की जरूरत है। जो **सज्जन**¹³ स्वयं को इस पद के योग्य समझें वे वर्तमान दीवान सरदार सुजानसिंह से संपर्क करें। यह जरूरी नहीं है कि वे ग्रेजुएट हों, मगर स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए। एक महीने तक **उम्मीदवारों**¹⁴ के **रहन-सहन**¹⁵, **आचार-विचार**¹⁶ की **परख**¹⁷ की जाएगी। **विद्या**¹⁸ पर कम परंतु **कर्तव्य**¹⁹ पालन पर अधिक विचार किया जाएगा। जो महाशय इस परीक्षा में पूरे सफल होंगे वे इस पद पर **नियुक्त**²⁰ किए जाएँगे।

इस विज्ञापन ने सारे **मुल्क**²¹ में **हलचल**²² मचा दी। ऐसा ऊँचा पद और किसी प्रकार का बंधन नहीं। **सैकड़ों**²³ आदमी अपना-अपना **भाग्य आजमाने**²⁴ के लिए चल पड़े।

सरदार सुजानसिंह ने इन **महानुभावों**²⁵ के **आदर-सत्कार**²⁶ का बड़ा अच्छा प्रबंध किया था। हर व्यक्ति अपने जीवन को अपनी बुद्धि के अनुसार अच्छे रूप में दिखाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन मनुष्यों का वह बूढ़ा **जौहरी**²⁷ सुजान सिंह आड़ में बैठा हुआ देख रहा था कि इन **बगुलों में हंस**²⁸ कहाँ छिपा है।

एक दिन **युवकों**²⁹ ने हॉकी के खेल का आयोजन किया। खेल बड़े उत्साह से चल रहा था। वे लोग जब गेंद को लेकर तेजी से उड़ते तो बढ़ती हुई लहर को दूसरे लोग इस तरह रोक लेते थे कि मानो **लोहे की दीवार**³⁰ हो।

संध्या³¹ तक यही **धूमधाम**³² रही। लोग पसीने से तर हो गए। **हाँफते-हाँफते**³³ खिलाड़ी **बेदम**³⁴ हो गए, लेकिन हार-जीत का निर्णय न हो सका। अँधेरा हो गया था।

इस मैदान से जरा दूर हटकर एक **नाला**³⁵ था। उस पर कोई पुल न था, आने-जाने वाले लोगों को नाले में से चलकर आना पड़ता था। खेल अभी बंद ही हुआ था और लोग **दम ले**³⁶ रहे थे कि एक किसान अनाज से भरी हुई गाड़ी लिए उस नाले पर आया। लेकिन कुछ

तो नाले में कीचड़³⁷ था और कुछ उसकी चढ़ाई³⁸ इतनी ऊँची थी कि गाड़ी ऊपर नहीं चढ़ सकती थी। वह कभी बैलों को ललकारता⁴⁰, कभी पहियों⁴¹ को हाथ से धकेलता⁴², लेकिन बोझ⁴³ अधिक था और बैल कमजोर। गाड़ी ऊपर न चढ़ती और चढ़ती भी तो कुछ दूर चढ़कर फिर खिसककर नीचे पहुँच जाती। किसान बार-बार ज़ोर लगाता और बार-बार झुंझलाकर⁴⁴ बैलों को मारता, लेकिन गाड़ी आगे बढ़ने का नाम न लेती। बेचारा⁴⁵ किसान हताश⁴⁶ होकर इधर-उधर देख रहा था मगर वहाँ कोई नजर नहीं आया। गाड़ी को अकेले छोड़कर कहीं जा भी न सकता था। बड़ी विपत्ति⁴⁷ में फँसा हुआ⁴⁸ था।

शब्दार्थ/ Vocabulary

1. state 2. minister 3. request 4. your kindness 5. getting old 6. state affairs
7. mistake 8. efficient in administration 9. request 10. famous 11. advertisement 12. most suitable 13. gentleman 14. candidates 15. way of living 16. good conduct and thinking 17. test 18. education 19. duty 20. appoint 21. country 22. commotion or wave 23. hundreds 24. try one's luck 25. greatmen 26. hospitality 27. Jeweller 28. to separate from the chaff 29. youngmen 30. wall of Iron 31. evening 32. hectic Activity 33. painting 34. exhausted 35. drain 36. taking rest 37. mud/marsh 38. climb 39. bullocks 40. to challenge 41. wheels 42. push 43. load 44. getting irritated 45. helpless 46. disappointed 47. trouble 48. trapped

बोध प्रश्न

- 1 दीवान सुजान सिंह ने महाराजा से क्या विनती की?
- 2 राजा साहब ने उनकी विनती किस शर्त पर स्वीकार की?
- 3 विज्ञापन से हलचल क्यों मच गई?
- 4 बूढ़ा जौहरी किसे कहा गया है और क्यों?

भाग- 2

In next part of the text in which Sardar Sujan Singh impersonifying himself as a poor farmer, tries hard to cross the drain with his bullock cart. All the candidates passed through the same way but they didn't realise the agony of the poor farmer. At last a candidate who himself was injured helped the farmer. The candidate was Pandit Janki Nath. Next day in a full court, Sujan Singh declared Pandit Janki Nath as the new minister & congratulated the entire province for getting such an able administrator who has enormous courage, will power & compassion towards the fellow being. He praised him because inspite of injury he helped the poor farmer. He

further said that a person of such a firm resolution can never harm a poor. He may be deceived but will not leave the path of compassion & religion.

इसी बीच खिलाड़ी हाथों में हॉकी लिए घूमते हुए उधर से निकले। किसान ने उनकी तरफ **सहमी**⁴⁹ हुई आँखों से देखा, परंतु किसी से मदद माँगने का **साहस**⁵⁰ न हुआ। खिलाड़ियों ने भी **उसको देखा मगर बंद आँखों से**⁵¹।

उसी **समूह**⁵² में एक ऐसा **व्यक्ति**⁵³ था, जिसके **हृदय**⁵⁴ में **दया**⁵⁴ थी और साहस था। आज हॉकी खेलते हुए उसके पैरों में चोट लग गई थी। वह **लँगड़ाता हुआ**⁵⁶ धीरे-धीरे चला आ रहा था। **अकस्मात्**⁵⁷ उसकी निगाह गाड़ी पर पड़ी। वह रुक गया। किसान की **सूरत**⁵⁸ देखते ही वह सब समझ गया। उसने हॉकी एक किनारे रख दी, कोट उतारा और किसान के पास जाकर बोला, "मैं तुम्हारी गाड़ी निकाल दूँ?"

किसान ने देखा, एक **स्वस्थ बदन**⁵⁹ वाला लंबा आदमी सामने खड़ा है। झुककर बोला, "हुजूर मैं आपसे कैसे कहूँ?"

युवक ने कहा, "मालूम होता है, तुम यहाँ बड़ी देर से फँसे हुए हो। अच्छा, तुम गाड़ी पर जाकर बैलों को संभालो, मैं पहियों को धकेलता हूँ, अभी गाड़ी ऊपर चढ़ जाएगी।"

किसान गाड़ी पर जा बैठा। युवक ने पहियों को जोर लगाकर उठाया। कीचड़ बहुत ज्यादा था। वह घुटने तक जमीन में गड़ गया, लेकिन **हिम्मत**⁶⁰ न हारी। उसने फिर जोर लगाया, उधर किसान ने बैलों को ललकारा। बैलों को सहारा मिला, उन्होंने **कंधे झुकाकर**⁶¹ एक बार जोर लगाया तो गाड़ी नाले के ऊपर थी।

किसान युवक के सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। बोला "महाराज, आपने आज मुझे **उबार लिया**⁶², नहीं तो सारी रात यहीं बैठना पड़ता।"

युवक ने हँसकर कहा, "अब आप मुझे क्या **इनाम**⁶³ देंगे?" किसान ने **गंभीर भाव**⁶⁴ से कहा, "नारायण **चाहेंगे**⁶⁵ तो दीवानी आपको ही मिलेगी।"

महीना पूरा हुआ और **चुनाव**⁶⁶ का दिन आ पहुँचा। **उम्मीदवार**⁶⁷ **प्रातःकाल**⁶⁸ से अपनी-अपनी किस्मत का फैसला सुनने के लिए **उत्सुक**⁶⁹ थे। दिन काटना पहाड़ हो गया। प्रत्येक के चेहरे पर **आशा**⁷⁰ और **निराशा**⁷¹ के रंग आते-जाते थे। नहीं मालूम, आज किसके **नसीब**⁷² जागेंगे?

संध्या समय राजा साहब का **दरबार**⁷³ सजाया गया। शहर के **रईस**⁷⁴, राज कर्मचारी, **दरबारी**⁷⁵ तथा दीवानी के उम्मीदवारों के समूह **सज-धज कर**⁷⁶ दरबार में पधारे। उम्मीदवारों के **कलेजे धड़क**⁷⁷ रहे थे।

तब सरदार सुजानसिंह ने खड़े होकर कहा, "दीवानी के उम्मीदवार महाशयों, मैंने आप लोगों को जो कष्ट दिया है, उसके लिए मुझे **क्षमा**⁷⁸ कीजिए। इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी जिसके हृदय में दया हो और साथ-साथ **आत्मबल**⁷⁹। इस रियासत को **सौभाग्य**⁸⁰ से ऐसा पुरुष मिल गया है। ऐसे **गुणवान**⁸¹ संसार में बहुत कम हैं। मैं रियासत को पंडित जानकीनाथ-सा दीवान पाने पर **बधाई**⁸² देता हूँ।

सरदार साहब ने फिर फ़रमाया⁸³, "आप लोगों को यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति न होगी कि जो व्यक्ति स्वयं जख्मी⁸⁴ होकर एक गरीब किसान की भरी हुई गाड़ी को दलदल⁸⁵ से निकालकर नाले के ऊपर चढ़ा दे, उसके हृदय में साहस, आत्मबल और उदारता⁸⁶ का वास⁸⁷ है। ऐसा आदमी गरीबों को कभी न सताएगा⁸⁸। उसका संकल्प⁸⁹ दृढ़⁹⁰ है, जो उसके चित्त⁹¹ को स्थिर⁹² रखेगा। वह चाहे धोखा खा जाए परंतु दया और धर्म⁹³ से कभी न हटेगा।"

- प्रेमचंद

(मुंशी प्रेमचंद की मूल कहानी का संपादित रूप)

शब्दार्थ /Vocabulary

49. frightened 50. courage 51. to overlook 52. group 53. person 54. heart
 55. mercy.56. limping 57. suddenly 58. face 59. healthy body 60. courage
 61. bending shoulders 62. to help somebody to get out of trouble 63. reward
 64. serious note 65. If god wishes 66. selection 67. candidate 68. morning
 69. eager 70. hope 71. disappointment 72. fortune 73. court 74. rich person
 75. courtiers 76. well attired 77. beating heart 78. to forgive 79. will power
 80. fortunately 81. virtuous 82. congratulation 83. said 84. injured 85. marsh
 86. generosity 87. existence 88. to harass 89. resolution 90. firm 91. heart 92.
 firm stable 93. religion

बोध प्रश्न

- 1 युवक ने किसान की मदद किस तरह की?
- 2 किसान की बैलगाड़ी निकालने के बाद युवक ने किसान से क्या पूछा और किसान ने उसका क्या जवाब दिया?
- 3 दीवान किसे चुना गया? उसमें क्या-क्या गुण थे?

व्याकरणिक टिप्पणी (Grammatical Notes)

पर्यायवाची

किस्मत	=	भाग्य, नसीब	हृदय	=	दिल
अकस्मात्	=	अचानक	उत्साह	=	जोश
इनाम	=	पुरस्कार	उम्मीदवार	=	प्रत्याशी
दया	=	रहम	सहानुभूति	=	हमदर्दी
बल	=	शक्ति, ताकत	विपत्ति	=	मुसीबत
बदन	=	शरीर, तन	दलदल	=	कीचड़

The subjunctive mood: The subjunctive mood is a form of verb which represents the action not as a reality but as a wish, suggestion command, possibility & condition.

It represents in short the action or state as conception of the mind rather than a reality.

(i) Subjunctive verb expresses suggestion: e.g.

क्यों न नेपाल में पशुपतिनाथ का मंदिर देखा जाए।

Why not, we may see Pashupati Nath's temple in Nepal.

(ii) Subjunctive verb expresses possibility: e.g.

कहीं दफ्तर पहुँचने में देर न हो जाए।

Perhaps we may get dealyed in reaching office.

iii) Subjunctive verb expresses commaned e.g.

अतिथियों के रहने का प्रबंध किया जाए।

The arrangement may be done for the stay of guests.

iv) Subjunctive verb expresses permission e.g.

क्या मैं अंदर आऊँ?

May I come in?

(II) Present participle - (वर्तमान कालिक कृदंत)

Present participle can be used as an adverb e.g.

तुम काम करते हुए बातचीत मत करो।

Do not talk while doing work.

आप खाना खाते हुए टी.वी. न देखें।

Don't watch television while taking food.

III (i) A relative pronoun is related to a Noun or a Pronoun occurring in the main sentence, the relative itself occurs in a subordinate sentence joining the two. Hindi has the Relative Pronoun 'जो' for who, which, that, what.

i) वह पेंसिल मिल गई जो खो गई थी।

The pencil has been found which was lost.

ii) We can transform the adjective in to relative clause e.g.

मुझे कार्यालय के पास का मकान चाहिए।

मुझे ऐसा मकान चाहिए जो कार्यालय के पास हो।

iii) We can also use 'मानो' in place of adjective 'जैसे' e.g.

वह ऐसे बोल रहा है जैसे सब जानता हो।

He speaks as if he knows everything.

वह ऐसे बोल रहा था मानो सब जानता हो।

Oral practice helps you to retain what you have learnt and allows you to speak the language in appropriate situations. Practice the following:

स्थानापत्ति अभ्यास:

1. क्यों न नेपाल में काठमांडू देखा जाए।
(पोखरा, पशुपतिनाथ मंदिर, लुंबनी शहर, कंचनजंघा पर्वत श्रेणी)
2. कहीं दफ्तर पहुँचने में देर न हो जाए।+
(सिनेमा हॉल, स्टेशन, कॉलेज)
3. अतिथियों के रहने का प्रबंध किया जाए। (सोना, ठहरना, बैठना)
4. अब मैं आपसे क्या कहूँ? (वह, तुम, वे)
5. गौतम गाना गाते हुए दफ्तर गया।
(नाश्ता खाते हुए, पान चबाते हुए, सिगरेट पीते हुए, बाजार होते हुए)

रूपांतरण

(क) उदाहरण :- तुम अस्पताल जाओ। तुम कार्यालय जाओ।

तुम अस्पताल जाते हुए कार्यालय जाओ।

1. आप काम करें। आप बातचीत न करें।
2. तुम चाय पियो। तुम अखबार पढ़ो।
3. सहायक नियम देखे। वह मामले का निपटान करे।
4. बच्चे टी.वी. देखें। वे खाना न खाएँ।
5. मैं टिप्पणी लिखता हूँ। मैं सुझाव भी देता हूँ।

(ख) उदाहरण : मुझे कार्यालय के पास का मकान चाहिए।

मुझे ऐसा मकान चाहिए जो कार्यालय के पास हो।

1. प्रधानाचार्य को तमिल जानने वाले अध्यापक की जरूरत है।
2. अवर सचिव अंग्रेजी-हिंदी जानने वाले निजी सचिव को नियुक्त करेंगे।
3. प्रशासन को कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों की आवश्यकता है।
4. उद्योगपतियों को कम ब्याज वाला दीर्घकालीन ऋण चाहिए।
5. अनुसंधान अधिकारी को अनुभवी सहायक चाहिए।

(ग) उदाहरण : वह ऐसे बोल रहा है जैसे सब जानता हो।

वह ऐसे बोल रहा था मानो सब जानता हो।

1. गोपाल अपने सहपाठियों को ऐसे समझाता है जैसे वह अध्यापक हो।
2. मीना अपने सहकर्मियों से ऐसे बात करती है जैसे वह अधिकारी हो।
3. श्री गणेश ऐसे भाषण दे रहे हैं जैसे वे कोई नेता हों।
4. वे ऐसा अभिनय करती हैं जैसे कि कोई अभिनेत्री हो।
5. बच्ची ऐसा नृत्य करती है जैसे कि कोई नृत्यांगना हो।

संवाद Communication

'परीक्षा' कहानी में दीवान सुजानसिंह तथा पंडित जानकीनाथ के जिन गुणों से आप प्रभावित हैं, उनकी चर्चा करें।

सारांश (summary)

'परीक्षा' हिंदी के महान लेखक मुंशी प्रेमचंद की उत्कृष्ट कहानियों में से एक है। इस कहानी में रायगढ़ रियासत के दीवान सरदार सुजान सिंह राजा से प्रार्थना करते हैं कि वे ढलती आयु के कारण अपने पद से सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। राजा साहब उनकी बात इस शर्त पर मानते हैं कि सुजान सिंह रियासत के लिए नया दीवान चुनेंगे।

बगुलों में हंस पहचानने हेतु सुजान सिंह एक हॉकी प्रतियोगिता आयोजित करते हैं। प्रतियोगिता के बाद उम्मीदवार जिस रास्ते से गुजरते हैं वहाँ एक नाला था। सुजान सिंह किसान के भेष में अपनी बैलगाड़ी को नाले से पार करने का भरसक प्रयत्न करते हैं किंतु गाड़ी को नाले के पार नहीं ले जा पाते। वहाँ से गुजरने वाले उम्मीदवार उन्हें देखकर भी अनदेखा कर देते हैं। अंत में एक सदस्य उम्मीदवार घायल होते हुए भी उनकी मदद करता है। सुजान सिंह उसके आत्मबल, साहस एवं उदारता के कायल हो जाते हैं और उसी युवक पंडित जानकीनाथ को भरी सभा में रायगढ़ का नया दीवान घोषित करते हैं।

इस कहानी में एक प्रशासक के लिए पुस्तकीय ज्ञान की अपेक्षा आत्मबल, साहस एवं उदारता जैसे मानवीय गुणों को प्रतिस्थापित किया है।

इस पाठ के माध्यम से हमने संभाव्य भविष्यत काल, वर्तमानकालिक कृदंत को क्रिया विशेषण के रूप में प्रयुक्त करना, संबंध वाचक सर्वनाम आदि का प्रयोग सीखा।

क्रियात्मक लेखन (Creative Writing)

1. आप अपनी मातृभाषा की एक कहानी को संक्षेप में लिखें।

बोध प्रश्नों के उत्तर भाग- 1

1. उनकी अवस्था ढल गई है, राजकाज संभालने की शक्ति न रहना।
2. रियासत के लिए नया दीवान, सुजान सिंह को ही खोजना होगा।
3. ऐसे ऊँचे पद के लिए किसी प्रकार का बंधन नहीं।
4. सरदार सुजान सिंह, क्योंकि वे ही उम्मीदवारों में से नया दीवान चुन रहे थे।

बोध प्रश्नों के उत्तर भाग- 2

1. युवक ने किसान की बैलगाड़ी नाले के पार करवा कर।
2. "अब आप मुझे क्या इनाम देंगे?" किसान ने जवाब दिया "नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी"।
3. पंडित जानकीनाथ को। उनके हृदय में दया, आत्मबल और साहस था।